मनुष्यता (प्रश्न-उत्तर)

प्र॰1-कवि ने कैसी मृत्यु को सुमृत्यु कहा है?

उ॰ -कवि ने ऐसी मृत्यु को सुमृत्यु कहा है जो मानवता की राह मे परोपकार करते हुए आती है जिसके बाद मनुष्य को मरने के बाद भी याद रखा जाता है।

प्र॰2-कवि ने दधीचि ,कर्ण आदि महान व्यक्तियों के उदाहरण देकर मनुष्यता के लिए क्या संदेश दिया है ?

उ॰- कवि ने दधीचि ,कर्ण आदि महान व्यक्तियों के उदाहरण देकर 'मनुष्यता'के लिए यह संदेश दिया है कि परोपकार के लिए अपना सर्वस्व यहॉ तक कि अपने प्राण तक न्योंछावर तक करने को तैयार रहना चाहिए।यहॉ तक कि परहित के लिए अपने शरीर तक का दान करने को तैयार रहना चाहिए।दधीचि ने मानवता की रक्षा के लिए अपनी अस्थियॉ तथा कर्ण ने खाल तक दान कर दी।हमारा शरीर तो नश्वर हैं उसका मोह रखना व्यर्थ है।परोपकार करना ही सच्ची मनुष्यता है। हमें यही करना चाहिए।

प्र॰3- कवि ने किन पंक्तियों में यह व्यक्त है कि हमें गर्व रहित जीवन व्यतीत करना चाहिए ?

उ॰-निम्नलिखित पंक्तियों में गर्व रहित जीवन व्यतीत करने की बात कही गई है-

रहो न भूल के कभी मदांध तुच्छ वित्त में।

सनाथ जान आपको करो न गर्व चित्त में॥

प्र॰4-कवि ने सबको एक साथ चलने की प्रेरणा क्यों दी है ?

उ॰-कवि ने सबको एक साथ चलने की प्रेरणा इसलिए दी है क्योंकि सभी मनुष्य उस एक ही परमपिता परमेश्वर की संतान हैं इसलिए बंधुत्व के नाते हमें सभी को साथ लेकर चलना चाहिए क्योंकि समर्थ भाव भी यही है कि हम सबका कल्याण करते हुए अपना कल्याण करें।

प्र०5–व्यक्ति को किस प्रकार का जीवन व्यतीत करना चाहिए ? इस कविता के आधार पर लिखिए।

उ०– व्यक्ति को परोपकार का जीवन व्यतीत करना चाहिए।साथ ही अपने अभीष्ट मार्ग पर एकता के साथ बढ़ना चाहिए। इस दौरान जो भी विपत्तियॉ आएँ,उन्हें ढकेलते हुए आगे बढ़ते जाना चाहिए।उदार हृदय बनकर अहंकार रहित मानवतावादी जीवन व्यतीत करना चाहिए।

प्र०6–'मनुष्यता' कविता के माध्यम से कवि क्या संदेश देना चाहता है ?

उ०–'मनुष्यता'कविता के माध्यम से कवि यह संदेश देना चाहता है कि हमें अपना जीवन परोपकार में व्यतीत करना चाहिए। सच्चा मनुष्य दूसरों की भलाई के काम को सर्वोपरि मानता है।हमें मनुष्य मनुष्य के बीच कोई अंतर नहीं करना चाहिए। हमें उदार हृदय बनना चाहिए । एक अन्य संदेश वह यह भी देना चाहते है कि हमें धन के मद में अंधा नहीं बनना चाहिए। मानवता वाद को अपनाना चाहिए।